Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 28 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

विज्ञान स्नातक भी ले सकेंगे कला परास्नातक में प्रवेश

- गोरखपुर विवि ने परास्नातक प्रवेश के नियमों में किया बदलाव
- आवेदन के लिए स्नातक में 45 प्रतिशत अंक की अर्हता निर्धारित

प्रवेश समिति की बैठक में सदस्यों से चर्चा करतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ●जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया लचीली बनाई है। इसे लेकर प्रवेश के लिए आवेदन के नियमों में व्यापक बदलाव किया है। विश्वविद्यालय ने विज्ञान विषय से स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों को कला परास्नातक में प्रवेश का अवसर दे दिया है। विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था 90 के दशक में थी, लेकिन किन्हीं वजहों से इसे समाप्त कर दिया गया था। अब यह व्यवस्था थी कि परास्नातक के लिए विद्यार्थी उसी विषय का चयन कर सकता था, जिसे उसने स्नातक में पढ़ा हो। शनिवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में नियम के इस बदलाव को स्वीकृत प्रदान कर दी गई।

बैठक के दौरान कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने नियमों के बदलाव पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बहुविषयकता और अभ्यर्थी को मनपसंद विषयों को पढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी। बैठक के दौरान प्रवेश की अर्हता को लेकर नियम में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया गया। परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश अहर्ता से संबंधित न्यूनतम अंक प्रतिशत तय किया गया। परास्नातक में सामान्य व ओबीसी वर्ग के प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक 45 प्रतिशत निर्धारित किया गया। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी 40 प्रतिशत अंक पाने पर भी परास्नातक के लिए आवेदन कर सकेंगे। अब तक परास्नातक में प्रवेश के लिए स्नातक के अंकों की अर्हता विभागवार थी। इस बदलाव से नियम में एकरूपता लाई गई है। प्रवेश के नियमों यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं बल्कि महाविद्यालयों में भी लागू होगा। कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश समिति के सदस्यों के अलावा कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी व पदाधिकारी मौजूद रहे।

गोवि ने स्थगित की पांच मई को होने वाली तीन परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कालेजों में चल रही परीक्षाओं के बीच पांच मई को होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्थगित कर दी हैं। इन परीक्षाओं की संशोधित समयसारिणी भी जारी कर दी गई है।

परीक्षा नियंत्रक डा.कुलदीप सिंह ने बताया कि पांच मई को राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) है। पांच को ही वार्षिक परीक्षा बीएससी भाग तीन के गणित, वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्न पत्र, बीएससी भाग तीन सांख्यिकी की परीक्षाएं भी थीं। बड़ी संख्या में ये विद्यार्थी नीट में आवेदन किए हैं।

छात्र हित में यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी तरह बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान पेपर कोड (पीएसवाई 104) की परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है। पांच मई को होने वाली बीए द्वितीय सेमेस्टर के मनोविज्ञान की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर 2 से 3:30 बजे की पाली में होगी। बीएससी भाग तीन की संशोधित समयसारिणी भी जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक ने सभी छात्रों से कहा है कि वह विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें। समय सारिणी के अनुसार निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचें। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगामी दिनों में परीक्षा की समय सारिणी में संशोधन किया जा सकता है।

माइनर कोर्स की समय सारिणी जारी: विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक और परास्नातक सम-सेमेस्टर के माइनर कोर्स की परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। स्नातक की राष्ट्रगौरव की परीक्षा 27 मई को होगी। स्नातक के माइनर कोर्स की परीक्षाएं 28 और 29 मई को होंगी। परास्नातक के माइनर कोर्स की परीक्षाएं 21, 22 और 26 मई को होंगी।

प्रो. संजय बैजल बने सूचना व मंत्रणा केंद्र के प्रमुख

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. संजय बैजल को सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र का प्रमुख बनाया है। इसे लेकर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार प्रो. बैजल 28 फरवरी 2025 तक इस पद पर बने रहेंगे। विज्ञप्ति

मौखिक परीक्षा 29 को

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की एमए अर्थशास्त्र अंतिम वर्ष के व्यक्तिगत अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे विभाग में सम्पन्न होगी। यह जानकारी विभाग के अध्यक्ष प्रो.संदीप कुमार ने दी। -विज्ञप्ति

प्रायोगिक परीक्षा दो मई को

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एमएमसी एक्वाकल्चर विषय की द्वितीय व चतुर्थ समेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा दो मई को सुबह नौ बजे से प्राणि विज्ञान अनुसंधानशाला भवन में सम्पन्न होगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष ने दी। विज्ञप्ति

Amar Ujala Page - 02, 04

परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समान होगी अंकों की अर्हता

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रवेश के नियमों में कई अहम बदलाव किए

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। अब सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंकों की अर्हता समान होगी।

परास्नातक में सामान्य व ओबीसी वर्ग के प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक 45 प्रतिशत और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी 40 प्रतिशत अंक पाने पर भी परास्नातक के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अभी तक परास्नातक में प्रवेश के लिए स्नातक के अंकों की अर्हता विभागवार तय हुआ करती थी। यह यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं बल्कि संबद्ध कॉलेजों में भी लागू होगा। इसके साथ ही अब बीएससी, बीकॉम और बीटेक के अभ्यर्थी भी कला परास्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे।

प्रवेश समिति की बैठक को संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। संवाद

परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नियमों में कुछ बदलाव कि गए हैं। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बहु विषयकता और अभ्यर्थी को मनपसंद विषयों को पढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी। साथ ही बड़ी संख्या में बाहर के विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

कॉलेज और परिसर का वेटेज समाप्त

अभी तक प्रवेश में विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध कॉलेजों को क्रमशः पांच और दो प्रतिशत का वेटेज दिया जाता था। इससे 200 अंकों की परीक्षा में विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों को 10 और कॉलेज के छात्रों को चार अंक अतिरिक्त मिल जाते थे। इस वेटेज को अब समाप्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि वेटेज की वजह से बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल पाता था। यह व्यवस्था समाप्त होने से बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश मिलने में आसानी होगी।

विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था 90 के दशक में भी थी, लेकिन किन्हीं वजहों से इसे समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद अबतक यह व्यवस्था थी कि परास्नातक के लिए विद्यार्थी उसी विषय का चयन कर सकता था, जिसे उसने स्नातक में पढ़ा हो। शनिवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में नियम के इन बदलावों को स्वीकृत प्रदान कर दी गई।

कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश समिति के सदस्यों के अलावा कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी और प्रवेश समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीडीयू : नीट की वजह से तीन परीक्षाएं टलीं

बीएससी तृतीय वर्ष की पांच मई की वार्षिक परीक्षा की तिथि संशोधित

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। पांच मई को नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट) को देखते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय ने इन परीक्षाओं की संशोधित समय सारिणी जारी कर वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। यह परीक्षाएं 19 मई और उसके बाद आयोजित की जाएंगी।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि पांच मई को नीट है। उसी दिन वार्षिक परीक्षा बीएससी भाग तीन के गणित, वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्न पत्र, बीएससी भाग तीन सांख्यिकी की परीक्षाएं भी थीं। बड़ी संख्या में इन विद्यार्थियों ने नीट में आवेदन किया था। छात्र हित में यह निर्णय लिया गया है।

इसी तरह बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान पेपर कोड (पीएसवाई 104) की परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है। पांच मई को होने वाली बीए द्वितीय सेमेस्टर के मनोविज्ञान की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर 2 से 3:30 बजे की पाली में होगी।

19 मई व उसके बाद आयोजित की जाएंगी परीक्षाएं, वेबसाइट पर अपलोड होगी समय सारिणी

संशोधित समय सारिणी देखकर ही आएं

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील किया कि वे संशोधित समय सारिणी को देखकर ही परीक्षा देने पहुंचें। समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगामी दिनों में परीक्षा की समय सारिणी में संशोधन किया जा सकता है।

बीएससी भाग तीन की संशोधित समय सारिणी भी जारी कर दी गई है। यूजी की राष्ट्र गौरव की परीक्षा 27 मई को होगी।

यूजी के माइनर कोर्स की परीक्षाएं 28 और 29 मई को होंगी। पीजी के माइनर कोर्स की परीक्षाएं 21, 22 और 26 मई को होंगी।

एआईयू पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन कल

गोरखपुर। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला) का आयोजन 20 मई से तमिलनाडु राज्य शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय, चेन्नई में होना है। इसमें प्रतिभाग करने के लिए डीडीयू की टीम का चयन 29 अप्रैल को दोपहर तीन बजे से विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद भवन में होगा। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि चयन/ट्रायल में भाग लेने के छात्र-छात्राएं मूल अंकपत्र, शुल्क रसीद, आधार कार्ड, एक फोटो, परिचय पत्र और अपने प्राचार्य की ओर से लिखित अधिकार पत्र के साथ निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित हों। संवाद

Inext Page -02

अब बीएससी के स्टूडेंट्स भी ले सकेंगे एमए में एडमिशन

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने परास्नातक प्रवेश के नियमों में किया बदलाव

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (27 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया लचीली बनाई है. इसे लेकर प्रवेश के लिए आवेदन के नियमों में व्यापक बदलाव किया है. विश्वविद्यालय ने विज्ञान विषय से स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों को कला परास्नातक में प्रवेश का अवसर दे दिया है. विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था 90 के दशक में थी, लेकिन किन्हीं वजहों से इसे समाप्त कर दिया गया था. अब यह व्यवस्था थी कि परास्नातक के लिए विद्यार्थी उसी विषय का चयन कर सकता था, जिसे उसने स्नातक में पढ़ा हो. शनिवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में नियम के इस बदलाव को स्वीकृत प्रदान कर दी गई.

वीसी ने की नियमों की चर्चा

बैठक के दौरान कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने नियमों के बदलाव पर चर्चा करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बहुविषयकता और अभ्यर्थी को मनपसंद विषयों को पढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी. बैठक के दौरान प्रवेश की अर्हता को लेकर नियम में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया गया. परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश अहर्ता से संबंधित न्यूनतम अंक प्रतिशत तय किया गया. परास्नातक में सामान्य व ओबीसी वर्ग के प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक 45 प्रतिशत निर्धारित किया गया. अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी 40 प्रतिशत अंक पाने पर भी परास्नातक के लिए आवेदन कर सकेंगे. अब तक परास्नातक में प्रवेश के लिए स्नातक के अंकों की अर्हता विभागवार थी. इस बदलाव से नियम में एकरूपता लाई गई है. प्रवेश के नियमों यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं बल्कि महाविद्यालयों में भी लागू होगा. कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश समिति के सदस्यों के अलावा कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी और प्रवेश समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे.

अनुसंधान में भी योगदान दे फार्मेसी विभाग : प्रो. जेपी सैनी

GORAKHPUR (27 April): मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंस और टेक्नोलाजी विभाग में शनिवार को कालेजिएट फार्मा क्लब का उद्घाटन कुलपति प्रो.जेपी सैनी ने किया. कुलपति ने विद्यार्थियों को बहुविषयक क्षेत्र में काम करने की सलाह दी. कहा कि विश्व की सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए फार्मासिस्टों, इंजीनियरों, प्रबंधन और विज्ञान के विशेषज्ञों को मिलकर काम करना चाहिए. उन्होंने निर्माणाधीन फार्मेसी भवन और सुविधाओं की जानकारी भी दी. घोषणा की कि फार्मेसी में आगामी शैक्षणिक वर्ष से पीएचडी की शुरुआत भी की जाएगी. स्वागत फैकल्टी समन्वयक डा.सबा परवीन ने किया. विभागाध्यक्ष डा.विट्ठल एल गोले, कालेजिएट फार्मा क्लब के छात्र सचिव आयोनि पांडेय, अतिथि डा.तेजस पटेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया.

Rashtriya Sahara Page - 03, 05

प्रवेश समिति ने लिए निर्णायक कदम

विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति की बैठक में उपस्थित कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश अहर्ता से संबंधित न्यूनतम अंक प्रतिशत तय किया गया।

नए मापदंडों के अनुसार सामान्य अन्य /पिछड़ा वर्ग स्नातक परीक्षा में 45 फीसद अंक तथा अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति स्नातक परीक्षा में 40 फीसद अंक होने चाहिए। बैठक में बताया गया कि पहले विभिन्न महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम अंक प्रतिशत भिन्न-भिन्न होता था। कला संकाय के परास्नातक कोर्स के लिए किसी भी विषय में स्नातक उपाधि वाले विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे। कुलपति के अध्यक्षता में प्रवेश समिति ने निर्णय लिया की कला संकाय के सभी विषयों में परास्नातक कोर्स के लिए किसी भी विषय से स्नातक उपाधि अर्जित करने वाले विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे। अब तक जरूरी होता था कि जिस विषय में एमए में प्रवेश लेना चाहते हैं वह विषय विद्यार्थी ने स्नातक स्तर पर अवश्य पढ़ा हो।

कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बहुविषयकता और अभ्यर्थी को मनपसंद के विषयों से पढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी।

बैठक में प्रवेश समिति के सभी सदस्य, कुलसचिव तथा ऐडमिशन सेल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की पावरलिफ्टिंग टीम का चयन कल

गोरखपुर (एसएनबी)। 20 मई से तमिलनाडु राज्य शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पावरलिफ्टिंग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2023- 24 हेतु दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की पावरलिफ्टिंग (पुरुष एवं महिला) टीम का चयन 29 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे से विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद भवन पर संपन्न होगा।

यह जानकारी विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव डा. राज वीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि चयन /ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक छात्र एवं छात्राएं अपने हाई स्कूल से अब तक के समस्त मूल अंक पत्र, शुल्क रसीद,आधार कार्ड एक फोटो, परिचय पत्र एवं महाविद्यालय के प्रतिभागी अपने प्राचार्य द्वारा लिखित अधिकार पत्र के साथ निश्चित समय एवं स्थान पर उपस्थित होंगे।

- सभी अंक पत्र व प्रमाणपत्र के साथ हों उपस्थित

Amar Ujala Select Page - 04

परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समान होगी अंकों की अर्हता

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रवेश के नियमों में किया बदलाव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। अब सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंकों की अर्हता समान होगी। परास्नातक में सामान्य व ओबीसी वर्ग के प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक 45 प्रतिशत और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी 40 प्रतिशत अंक पाने पर भी परास्नातक के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अभी तक परास्नातक में प्रवेश के लिए स्नातक के अंकों की अर्हता विभागवार तय हुआ करती थी। यह यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर ही नहीं बल्कि संबद्ध कॉलेजों में भी लागू होगा। इसके साथ ही अब बीएससी, बीकॉम और बीटेक के अभ्यर्थी भी कला परास्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे।

> परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नियमों में कुछ बदलाव कि गए हैं। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप बहु विषयकता और अभ्यर्थी को मनपसंद विषयों को पढ़ने की स्वतंत्रता मिलेगी। साथ ही बड़ी संख्या में बाहर के विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे।
>
> -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय में यह व्यवस्था 90 के दशक में भी थी, लेकिन किन्हीं वजहों से इसे समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद अबतक यह व्यवस्था थी कि परास्नातक के लिए विद्यार्थी उसी विषय का चयन कर सकता था, जिसे उसने स्नातक में पढ़ा हो। शनिवार को विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में नियम के इन बदलावों को स्वीकृत प्रदान कर दी गई। कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश समिति के सदस्यों के अलावा कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी और प्रवेश समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कॉलेज और परिसर का वेटेज समाप्त : अभी तक प्रवेश में विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध कॉलेजों को क्रमशः पांच और दो प्रतिशत का वेटेज दिया जाता था। इससे 200 अंकों की परीक्षा में विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों को 10 और कॉलेज के छात्रों को चार अंक अतिरिक्त मिल जाते थे। इस वेटेज को अब समाप्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि वेटेज की वजह से बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल पाता था। यह व्यवस्था समाप्त होने से बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश मिलने में आसानी होगी।

Hindustan Page - 03, 06

प्रवेश समिति की बैठक में हुआ निर्णय, कल से शुरू होगी पीजी में प्रवेश की प्रक्रिया

डीडीयू : बीएससी, बीटेक व बीकॉम वाले विद्यार्थी भी कर सकेंगे एमए

डीडीयू में प्रवेश समिति की बैठक को संबोधित करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में परास्नातक में प्रवेश को लेकर बड़ी खबर है। एमए में प्रवेश के लिए विषय की बाध्यता खत्म कर दी गई है। बीएससी, बीकॉम और बीटेक करने वाले विद्यार्थी भी अब सत्र 2024-25 से एमए कर सकेंगे। शनिवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। परास्नातक में प्रवेश की प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू होगी। अन्य कई महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए हैं।

डीडीयू में अब तक परास्नातक में प्रवेश के लिए यह जरूरी था कि स्नातक अंतिम वर्ष में जो दो विषय होते थे, उनमें से किसी एक विषय में एमए किया जा सकता है। एनइपी के उद्देश्यों के अनुरूप बहुविषयकता के तहत ये निर्णय लिया गया है। अब विद्यार्थी परास्नातक में मनपसंद विषय में एमए कर सकेंगे, भले ही उन्होंने स्नातक किसी भी विषय से किया हो।

डीडीयू में प्रवेश समिति की बैठक में कुलपति ने परास्नातक में प्रवेश को लेकर समीक्षा की। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. हर्ष सिन्हा ने तैयारियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया। कुलपति ने सोमवार से पीजी में प्रवेश की प्रक्रिया को लेकर हरी झंडी दे दी।

45 प्रतिशत है तो ही कर सकेंगे आवेदन

पीजी में प्रवेश के लिए आवेदन को लेकर अर्हता को भी आसान किया गया है। सामान्य और ओबीसी वर्ग के वे विद्यार्थी जिनका स्नातक में 45 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हो, वे आवेदन के लिए अर्ह होंगे। एससी-एसटी वर्ग के 40 प्रतिशत अंक पाने वाले विद्यार्थी पीजी में आवेदन कर सकेंगे। पहले अलग-अलग विषयों के लिए योग्यता भिन्न-भिन्न होती थी।

भेदभाव पैदा करने वाला वेटेज भी खत्म

पीजी में प्रवेश के लिए भेदभाव पैदा करने वाला वेटेज भी सत्र 2024-25 से खत्म कर दिया गया है। इसे पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। अब तक डीडीयू कैंपस से यूजी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पीजी में प्रवेश पर 10 अंक, सम्बद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों को 4 अंक वेटेज दिया जाता था। दूसरे विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के विद्यार्थियों को कोई वेटेज नहीं मिलता था। छात्राओं, एनसीसी, एनएसएस आदि को मिलने वाला 4 अंक का वेटेज जारी रहेगा।

पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया अगले हफ्ते से

पीएचडी में प्रवेश के लिए प्रक्रिया अगले हफ्ते शुरू हो सकती है। प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में सत्र 2023 तक परास्नातक करने वाले अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। सत्र 2023-24 की निरस्त हुई परीक्षा के अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क जमा नहीं करना है।

डीडीयू की पावर लिफ्टिंग टीम का चयन कल

गोरखपुर। चेन्नई में 20 मई से आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पॉवरलिफ्टिंग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2023-24 के लिए डीडीयू की टीम का चयन 29 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे से क्रीड़ा परिषद भवन पर होगा।

5 मई को होने वाली तीन परीक्षाएं स्थगित

- नीट के कारण डीडीयू में बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षाओं की तिथि संशोधित
- बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान की पांच को होने वाली परीक्षा 19 को होगी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध कॉलेजों में चल रही परीक्षाओं के बीच 5 मई को होने वाली तीन विषयों की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इन परीक्षाओं की संशोधित समय सारिणी जारी कर दी गई है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलदीप सिंह ने बताया कि पांच मई को नीट की परीक्षा है। पांच को ही वार्षिक परीक्षा बीएससी भाग तीन के गणित, वनस्पति विज्ञान प्रथम प्रश्न पत्र, बीएससी भाग तीन सांख्यिकी की परीक्षाएं भी थीं। बड़ी संख्या में ये विद्यार्थी नीट में आवेदन किए हैं। छात्रहित में यह निर्णय लिया गया है। इसी तरह बीए द्वितीय सेमेस्टर मनोविज्ञान पेपर कोड (पीएसवाई 104) की परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है। पांच मई को होने वाली बीए द्वितीय सेमेस्टर के मनोविज्ञान की परीक्षा अब 19 मई को दोपहर 2 से 3:30 बजे की पाली में होगी। बीएससी भाग तीन की संशोधित समय सारिणी भी जारी कर दी गई है।

समय सारिणी देखकर आएं

डीडीयू प्रशासन ने छात्रों से कहा है कि समय सारिणी के अनुसार निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचें। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगामी दिनों में परीक्षा की समय सारिणी में संशोधन किया जा सकता है।

माइनर कोर्स की समय सारिणी जारी : डीडीयू प्रशासन ने स्नातक और परास्नातक सम सेमेस्टर के माइनर कोर्स की परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी है। यूजी की राष्ट्र गौरव की परीक्षा 27 मई को होगी। यूजी के माइनर कोर्स की परीक्षाएं 28 और 29 मई को होंगी।

स्वदेश

लखनऊ - मुख्य संस्करण 28 Apr 2024

प्रो. संजय बैजल डीडीयू के सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र के प्रमुख नामित

संतकबीरनगर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र के प्रमुख पद पर प्रो. संजय बैजल, वाणिज्य विभाग को कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने 1 मार्च, 2024 से एक वर्ष के लिए नामित किया है। प्रो. संजय बैजल को केंद्र प्रमुख नामित होने पर विश्वविद्यालय के आचार्य गण, छात्रों व शुभचिंतकों ने बधाई दी है।